डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 18 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 26 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

नेताओं से ज्यादा बेटों का भविष्य दांव पर..!

भाजपा-कांग्रेस के अलावा अन्य उम्मीदवार भी मैदान में होंगे

असंतुष्ट और लंबे समय से दरिया तोकने वालों ने कमर कसी, देखना है आगे क्या होता है

गरोठ, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के लिए गरोठ से भाजपा व कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। तभी से टिकट को लेकर दोनों पार्टियों में कहीं ना कहीं विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। कहीं पर बड़े नेताओं के बंगले को घेरा जा रहा है तो कहीं पर पुतला दहन या फिर बड़े नेताओं के बैनर पोस्टर पर जूते मारे जा रहे हैं तो कहीं पर टिकिट ना मिलने के कारण नाराज नेताओं द्वारा निर्दलीय फॉर्म डाला जा रहा है। गरोठ-भानपुरा क्षेत्र में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। यहां कांग्रेस उम्मीदवार सुभाष कुमार सोजतिया का विरोध है तो भाजपा उम्मीदवार चंदरसिंह सिसौदिया को भी भाजपा का कैडर नहीं पचा पा रहा है।

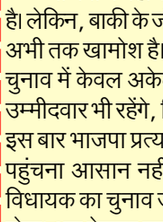

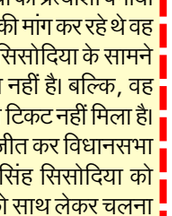

गरोठ भानपुरा क्षेत्र से कांग्रेस ने सुभाष सोजतिया का टिकट फाइनल होने के बाद कांग्रेस के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची हुई है। कांग्रेस से टिकट की मांग करने वाले उम्मीदवारों ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की ठान ली है। जिसकी खबरें व्हाट्सएप पर चल रही है। गरोठ-भानपुरा क्षेत्र में टिकट न मिलने के कारण कुछ उम्मीदवार खुलकर सामने आ रहे हैं तो कुछ अभी तक खामोश बैठे हुए हैं। जो खुलकर विरोध करता है वह तो सबकी निगाहों में होता है कि यह पार्टी से अधिकृत उम्मीदवार का कितना नुकसान कर सकता है और कितना फायदा। लेकिन, टिकट न मिलने के कारण जो नेता टिकट की लाइन में खड़े थे, उनमें से कुछ अभी तक खामोश बैठे हुए हैं। ऐसे नेता अंदरूनी तौर पर बड़ा उलट फेर करने का दम रखते हैं।

भाजपा ने यहां से चंदरसिंह सिसोदिया को प्रत्याशी बनाया है। लेकिन, बाकी के जो उम्मीदवार टिकट की मांग कर रहे थे वह अभी तक खामोश है। इस बार चंदरसिंह सिसोदिया के सामने चुनाव में केवल अकेले सुभाष सोजतिया नहीं है। बल्कि, वह उम्मीदवार भी रहेंगे, जिनको विधायक का टिकट नहीं मिला है। इस बार भाजपा प्रत्याशी के लिए चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचना आसान नहीं रहेगा। अगर चंदरसिंह सिसोदिया को विधायक का चुनाव जीतना है तो सभी को साथ लेकर चलना होगा। अब देखना यह है कि किसके विरोधी, किस पर ज्यादा भारी पड़ते हैं। कौन सा निर्दलीय या भीतर घाती किसको कितना नुकसान या फायदा पहुंचा सकता है। क्योंकि, इस बार विधानसभा चुनाव में विरोधी प्रत्याशी से ज्यादा अपनों से सचेत रहने की आवश्यकता है।

कई नेताओं की हार-जीत भी बदलेगी क्षेत्र में चुनावी समीकरण

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र में विधानसभा चुनाव में 70 क्रास कर चुके नेता भी मैदान में है। नेताओं का तो ठीक है, उनके बेटों-बेटियो के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण है। पापा-अंकल की हार जीत ही नहीं, बल्कि सरकार बनने तक उनके राजनीतिक कॅरियर का गणित ज्ञान फिक्स करेंगा। हालांकि इनमें से कुछ युवा नेताओं के नाम विधानसभा चुनाव के लिए भी चल रहे थे। लेकिन, फिलहाल उनके नेताओं ने खुद को मैदान में उतरना ही वाजिब समझा। इसके अलावा चंदरसिंह सिसौदिया हो या हरदीपसिंह डंग, इनकी हार-जीत भी क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलेगी।

पापा-अंकल की जीत के बाद तेजी से बढ़ेंगे राजनीतिक कदम

टोनू के मैदान में उतरने की थी चर्चा...

पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया की बेटी टोनू सोजतिया कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के प्रदेश में गुजरने के दौरान यात्रा से जुड़ी तो कांग्रेस नेता राहुल व प्रियंका वाड्रा के साथ कदमताल करती नजर आई। टोनू की इस मुलाकात ने कई चर्चाओं को बढ़ाया। वर्ष 2018 के चुनाव में भी पिता के चुनाव प्रबंधन का काम टोनू ने संभाला था। ऐसे में माना जा रहा है कि टोनू राजनीति में सक्रिय होकर पिता की राजनीति को आगे बढ़ाएगी। ऐसा भी अनुमान था कि सोजतिया इस बार टोनू को विधानसभा में उतारेंगे। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। लेकिन बात करें टोनू के राजनीतिक भविष्य की तो सुभाष सोजतिया हार की हैट्रीक बना चुके हैं। अगर इस चुनाव में सुभाष सोजतिया को हार मिलती है तो कहीं न कहीं यह हार टोनू के राजनीतिक भविष्य की राह में रोड़ा भी बन सकती है। इसका कारण है कि कोई भी चुनाव हो, अन्य नेता भी गरोठ क्षेत्र में मौके के इंतजार में है। यही कारण है कि श्री सोजतिया इस बार साम-दाम-दंड-भेद सभी हथियार आजमाने को तैयार है।

भानु की नपा से शुरुआत के लग रहे थे कयास...

मंदसौर विधायक यशपालसिंह सिसौदिया के बेटे डॉ भानुप्रतापसिंह सिसौदिया भी अपने दादा-पिता व परिवार की राजनीति को आगे बढ़ाने में लगे है। ऐसे में खेल संगठनों के साथ ही धार्मिक व सामाजिक संगठनों से जुड़ने के साथ युवा मोर्चा से लेकर पार्टी से जुड़े हर कार्यक्रम में शहर से लेकर पूरी विधानसभा में हर गतिविधि में प्रत्यक्ष रुप से जुड़कर सक्रियता बढ़ाई है तो कई जगहों पर पिता के साथ उपस्थित भी हो रहे है। चुनाव प्रचार हो या पार्टी का काम खुद कमान संभालते हुए भी दिख रहे है। नपा चुनाव में उतरकर उनकी राजनीतिक पारी की शुरुआत के कयास भी लग रहे थे। अब बात करें यशपालसिंह सिसौदिया की हार जीत और भाजपा सरकार बनने के, तो दोनों ही चीजें यहां होती है तो निश्चित रूप से यशपालसिंह मंत्री पद के लिए दरवाजा खटखटाएंगे। मंत्री पद के बाद भानु के राजनीतिक कॅरियर की उड़ान का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सोमिल के उतरने की ज्यादा संभावना थी मनासा से मैदान में...

पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा के भतीजे सोमिल नाहटा कांग्रेस में लंबे समय से सक्रिय है। उन्हें नपाध्यक्ष के लिए एक मौका भी मिला था। सोमिल की मनासा से मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही थी। लेकिन, नरेंद्र नाहटा खुद मैदान में उतरे। अब बात करें चुनाव की तो पिछला चुनाव नरेंद्र नाहटा हार चुके हैं। अब कांग्रेस सरकार बनती है और नरेंद्र नाहटा जीतते हैं तो मंत्री पद के लिए तगड़े दावेदार है। लेकिन, हार का सामना करना पड़ता है तो कहीं न कहीं अन्य चुनावों में नरेंद्र नाहटा की रिकमेंट पर सोमिल को मौका मिलना मुश्किल होगा। क्योंकि, मंदसौर जिला मुख्यालय पर लंबे समय से कई कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता विपक्ष में बैठकर दरिया उठा रहे हैं।

युवा मोर्चा के साथ क्षेत्र में सक्रिय प्रांजल...

पूर्व सांसद डॉ लक्ष्मीनारायण पांडेय के पौत्र व जावरा विधायक डॉ राजेंद्र पांडेय के पुत्र प्रांजल पांडे दादा व पिता की राजनीतीक बिसात पर चलकर क्षेत्र में सक्रिय हुए है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से सक्रियता बढ़ाई है। मंदसौर के युवा मोर्चा के प्रभारी होने के साथ युवा मोर्चा की राजनीति में सक्रिय होकर क्षेत्र में धार्मिक-सामाजिक व अन्य आयोजनों के माध्यम से सक्रिय है। जावरा से लेकर संसदीय क्षेत्र की राजनीति में पिछले कई सालों से सक्रिय परिवार की तीसरी पीढ़ी के रुप में प्रांजल दस्तक देने के लिए हर कार्यक्रम में उपस्थिति दे रहे है। यहां राजेंद्र पाण्डे की जीत और भाजपा सरकार बनना प्रांजल के लिए खासा प्लस पाइंट साबित होगा।

चंदरसिंह की हार-जीत तय करेंगा विनीत यादव का भविष्य...

गरोठ के पूर्व विधायक राजेश यादव के बेटे विनीत यादव पूर्व में युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष थे। लेकिन, पिता की निधन के बाद से उन्हें मौके का इंतजार है। जिला पंचायत चुनाव में पत्नी मनुप्रिया यादव को पार्टी ने मौका देकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनाया। इसके साथ यादव फिर से क्षेत्र में सक्रिय हुए है और अबकी बार विधानसभा चुनाव में खुद दावेदारी भी उनकी थी। लेकिन, चंदरसिंह सिसौदिया को मौका दिया गया। इस चुनाव में चंदरसिंह सिसौदिया की हार-जीत विनीत के राजनीतिक भविष्य को तय कर सकती है।

राधेश्याम पाटीदार की होगी वापसी...?

पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार की पुत्रवधु दुर्गा विजय पाटीदार को पार्टी ने जिला पंचायत में मौका देकर जिला पंचायत अध्यक्ष बनाया तो पाटीदार फिर से सुवासरा विधानसभा में सक्रिय हुए। अब पाटीदार के साथ पुत्रवधु दुर्गा पाटीदार भी हर कार्यक्रम में पहुंच रही है। सरकारी आयोजन हो या राजनीतिक या धार्मिक खुद पहुंचकर सक्रिय होकर लोगों से जुड़ रहे है। बात करें विस चुनाव की तो लंबे समय से स्व. नानालाल पाटीदार और राधेश्याम पाटीदार ने विधायकी संभालकर क्षेत्र में पहचान बनाई। लेकिन, सरकार बदलने के बाद राधेश्याम पाटीदार का नाम कहीं न कहीं गायब सा हो गया। इस बार हरदीपसिंह डंग पर राकेश भारी पड़ते हैं तो आने वाले चुनावों में सीतामऊ-सुवासरा क्षेत्र से राधेश्याम या जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार प्राथमिकता में हो सकते है।

अग्रवाल एजेंसी के गोदाम से चोरी गया 28 लाख का माल बरामद

पकड़े गए आरोपी की निशानदेही से पुलिस ने की जप्ती

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीते महीने मंदसौर के लक्कड पीठा स्थित अग्रवाल एजेंसी के गोदाम में हुई लाखों की चोरी के आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस ने चोरी गया माल भी बरामद करने में सफलता प्राप्त कर ली है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही से 28 लाख रुपए का माल बरामद किया है।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि मंदसौर शहर में विगत दिनो 25 व 26 दिसम्बर की मध्य रात्री को होलसेल व्यापारी राजमल गर्ग के गोदाम में हुई सनसनीखेज चोरी की घटना पर अपराध धारा 457, 380 भादवि दर्ज कर घटना का मंदसौर पुलिस के द्वारा खुलासा कर अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करने में सफलता अर्जित करने की थी। उसके पश्चात योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए आरोपियों द्वारा घटना में चुराये गये सामान को भी बरामद कर लिया। आरोपियों ने चोरी किये सामान को जयपुर क्षेत्र के ही व्यवसायी सुरेश जाट को बेचा था। जिसे पुलिस टीम द्वारा राजस्थान राज्य से गिरफ्तार कर घटना में चोरी गया सामान व वाहन बरामद करने में सफलता अर्जित की। इस मामले में पुलिस ने सुरेश पिता जूतराम निठारवाल जाती जाट उम्र 28 वर्ष निवासी कलयाणियो की ढाणी ग्राम बोबास थाना जोबनेर जिला जयपुर ग्रामीण राजस्थान को हिरासत में लिया। घटना में चोरी गया सामान लिबर्टी सिगरेट के कार्टून, गोल्डफ्लेक सिगरेट के कार्टून, तानसेन गूटखा के कार्टून, घटना में चोरी गया वाहन बोलेरा पिकअप व घटना में प्रयुक्त वाहन टाटा ऐस व इटियोस कार कूल मश्रुका किमती 28 लाख रूपये बरामद किए।

दोपहर गर्म, रात में ठंड ....

बीमार कर रहा मौसम, अस्पतालों में लगी भीड़

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। रात्रि में जहां गुलाबी ठंड को महसूस किया जा रहा है। वहीं दोपहर में तपन बरकरार है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की दिशा बदलने से रात के तापमान में गिरावट आई है। यह दौर पूरे अक्टूबर माह में जारी रहेगा। नवंबर में ठंड का असर बढ़ेगा। मौसम में इस बदलाव के कारण लोगो में मौसमी बीमारियां बढ़ रही है। यही कारण है कि सरकारी और निजी अस्पतालो में मरीजो की भीड़ देखी जा रही है।

सोमवार रात को हल्की बारिश के बाद मंगलवार को भी शहर सहित जिले में हल्के बादल छाए रहे। हालांकि दिन में गर्मी का तेज असर होने के चलते उमस से जनजीवन प्रभावित रहा। शाम होते ही ठंड का अहसास शुरू हो गया। मंगलवार को रात का तापमान 18.5 डिग्री व दिन का तापमान 31.7 डिग्री दर्ज किया गया। हालांकि दिन के तापमान में गिरावट जरूर हुई। लेकिन तापमान अभी भी 31 डिग्री के पार होने के चलते गर्मी का असर तेज है। मौसम के जानकारो के अनुसार इस सप्ताह ऐसा ही मौसम रहेगा। फिर दिन-रात के तापमान में गिरावट होगी। सर्दी- जुकाम खांसी के मामले बढ़ेंगे। अचानक ठंड बढने से शरीर पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। सर्दी- जुकाम, खांसी के मामले बढेंगे। ऐसे परिवर्तन के समय में बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है। साथ ही कोविड और पुरानी बीमारियों वाले मरीजों को भी एहतियात बरतने की आवश्यकता है।

करंट लगा, किसान की मौत

मनासा, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मनासा थाना क्षेत्र की कंजार्डा चौकी के गांव बंजारी खुर्द में एक दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में एक युवा किसान की खेत पर काम करते समय करंट लगने से मौत हो गई।

घटना मंगलवार की है, जब किसान नानूराम पिता घीसालाल भील अपने खेत पर सिंचाई के लिए विद्युत पंप चालू करने गया था। इसी दौरान वह कटे हुए विद्युत तार के संपर्क में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद उसे तत्काल एंबूलेंस की सहायता से सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने नानूराम को मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नालछा माता में हुआ चूल का आयोजन...

धधकते अंगारों पर नंगे पैर निकले भक्त

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नवरात्रि के समापन के बाद दहशरे की शाम को नालछा माता मंदिर में वाड़ी विसर्जन के साथ चूल का आयोजन किया गया। इस आयोजन को देखने शहर सहित आसपास के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। माता की आस्था में ओतप्रोत भक्त धधकते अंगारों पर नंगे पैर निकले। चूल के आयोजन को लेकर कई दिनों से तैयारी की जाती है।

सत्रह फीट लंबाई में नंगे पैर दौड़...

मंदिर परिसर में एक लम्बी 17 फिट लम्बी और ढाई फिट गहरी और डेढ़ फिट चौड़ी एक खाई खोदी जाती है। पूजा अर्चना के बाद खाई में सुखी लकड़िया डालकर आग लगाई जाती है। धधकती आग अंगारो में तब्दील हो जाती है। जिस पर घी डाल कर लपटे उठाई जाती है। फिर ढोल की थाप पर मंदिर के भोपे मंदिर से निकलकर अजीब सी हरकते करते हुए चूल तक आते है। धधकते हुए अंगारों की लपटों के बीच से नंगे पांव ऐसे निकल जाते है, जैसे कुछ हुआ ही ना हो। भोपो के चूल से निकलने के बाद माता के श्रद्धालु भी एक के बाद एक अंगारों से होकर निकलते है। चूल से करीब दो सौ लोग दहकते अंगारों पर निकले। बताते है कि जिन भक्तों की मन्नत पूरी होती है, वे दशहरे पर होने वाले चूल के आयोजन में अंगारों पर चलते है।

रणनीति: श्याम का परशुराम को घेरने का प्रयास

मल्हारगढ़ में भी राजनीतिक उठा-पटक की आशंका

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में मल्हारगढ़ भी सोशल मीडिया में छाया हुआ है। इसका कारण है कांग्रेस नेता श्यामलाल जोकचंद का निर्दलीय मैदान में उतरना। यहां श्यामलाल जोकचंद ने रणनीति बनाकर परशुराम सिसौदिया को घेरने की कोशिश की है। इधर जावरा सहित प्रदेश में कांग्रेस ने चार जगहों पर

जावरा का टिकिट बदलने के बाद उलटफेर की संभावना

टिकीट बदला है। इससे मल्हारगढ़ में भी टिकीट बदलने की संभावना को बल मिला है। इस पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर की प्लानिंग...

श्यामलाल जोकचंद एंड कंपनी ने सोशल मीडिया के लिए भी अच्छी प्लानिंग की है। जैसे ही परशुराम सिसौदिया या समर्थक मल्हारगढ में कांग्रेस के लिए कोई पोस्ट शेयर कर रहे हैं, श्यामलाल जोकचंद समर्थक उस पर जोकचंद के समर्थन में तेजी से कमेंटस कर रहे हैं। कहीं न कहीं इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी पर मानसिक रूप से दबाव बनाने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश कांग्रेस को भी जोकचंद एंड कंपनी अपनी मजबूती दर्शाना चाह रही है।

इन जगहों पर भी विरोध...

मनासा में दोनों दल तनाव में है। दोनों ही उम्मीदवारों का विरोध हो रहा था। रविवार को बगावती सुर भाजपा की ओर से निकले हैं। मनासा में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर पूर्व मंत्री कैलाश चावला, पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह मालाहेड़ा और भाजपा के जिला महामंत्री राजेश लढा सहित अन्य नेता अनिरुद्ध मारु को टिकीट दिए जाने से नाराज है। प्रेसवार्ता में नाराजगी व्यक्त भी कर चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र नाहटा का विरोध कर पुतला भी दहन किया गया। हालांकि बाद में यहां आक्रोश को ठंडा कर दिया गया। इधर जावद में भाजपा छोड़कर हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए सिंधिया समर्थक समंदर पटेल को जावद विधानसभा सीट से अधिकृत उम्मीदवार बनाए जाने से नाराज कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा चुका है।

प्रत्याशी बदलकर वीरेंद्रसिंह को उतारा मैदान में...

रतलाम के पांच विधानसभा क्षेत्र में सबसे हॉट सीट बनी हुई जावरा में कांग्रेस ने टिकट बदलकर वीरेंद्र सिंह सोलंकी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट बदलने की घोषणा के बाद वीरेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थकों में उत्साह और जश्न का माहौल है। गौरतलब है कि वीरेंद्रसिंह सोलंकी, डीपी धाकड़ और राजेश भरावा के समर्थको ने हिम्मत श्रीमाल को उम्मीदवार बनाए जाने का जमकर विरोध किया था और भोपाल में भी कमलनाथ के बंगले के बाहर प्रदर्शन किया था। पार्टी द्वारा टिकट वापस लिए जाने पर हिम्मत श्रीमाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पार्टी ने आज तक जो भी जिम्मेदारी दी है उसे पूरी ईमानदारी के साथ पूरा किया। मैं आज तक कोई चुनाव नहीं हारा। जो भी विरोध हो रहा था वह जावरा विधानसभा क्षेत्र के बाहर के दावेदारों द्वारा किया जा रहा था। स्थानीय कार्यकर्ताओं की मांग थी कि किसी स्थानीय को ही कांग्रेस पार्टी टिकट दे। इस मांग से पार्टी हाई कमान को भी अवगत करा दिया था। लेकिन, पार्टी ने पता नहीं क्या सोचकर टिकट बदल दिया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद आगे का निर्णय लेंगे। हालांकि टिकट बदले जाने के बाद हिम्मत श्रीमाल के समर्थकों और स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने बाहरी उम्मीदवार को टिकट दिए जाने के मुद्दे पर फिर विरोध शुरू कर दिया है। जिसमें जावरा शहर के बड़े कांग्रेस नेता और पार्षद भी शामिल हो सकते हैं।

हिट एंड रन मामला...

दो लोगों को मौत की नींद सुलाने के आरोपी अक्षय को पुलिस ने पकड़ा

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बीते शनिवार-रविवार की दरमियानी रात यशोधर्मन नगर थाना क्षेत्र से कुछ दूरी पर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया था। इस दुर्घटना में बाइक सवार सूरजमल पिता रामकिशन मावर निवासी राम टेकरी मन्दसौर और राजेश पिता रामनारायण निवासी नापाखेड़ा की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस मामले में पहले युंवती द्वारा कार ड्राइव करने की बात कही जा रही थी। जिसे बाद में युवक द्वारा कार ड्राइव करना बताया गया।

इस गंभीर दुर्घटना को लेकर खासी चर्चाओं का दौर सोशल मीडिया पर चला। इस मामले में पुलिस ने तीन दिन बाद कार चालक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार अक्षय पिता अरुण जैन निवासी कालाखेत चला रहा था। इसके अलावा कार में दो युवतियां और एक पुरुष मित्र भी सवार थे। कार को पुलिस ने डीवीएम स्कूल के पास से बरामद किया है। वायडी नगर टीआई संदीप मंगोलिया ने बताया कि मामले में सीसीटीवी कैमरे और अन्य प्रत्यक्ष दर्शियों की मदद से कार चालक तक पुलिस पहुंची है। आरोपी अक्षय को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जैल भेजने के आदेश हुए। पुलिस ने उसे मंदसौर की जिला जैल में जमा करा दिया। बता दें कि कार में किटियानी निवासी अपूर्वा, अनुष्का और रजत तोमर भी सवार थे। इधर चर्चाओ की माने तो कार अपूर्वा चला रही थी। लेकिन, चंबल कॉलोनी से किटियानी वाले मार्ग पर एक बार फिर से कार फस गई थी। उस समय ड्रायवर बदला गया था। लेकिन, पुलिस ने किटियानी के सीसीटीवी फूटेज के अनुसार कार चालक अक्षय जैन को माना है।

सीबीएन ने ट्रक से बरामद किया 24 क्विंटल से ज्यादा डोडा छिलका

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो (सीएनबी) जावरा टीम ने मंदसौर के रेलवे क्रॉसिंग लालघाटी-जग्गाखेड़ी रोड से ट्रक में रखे 122 प्लास्टिक कट्टों से 24 क्विंटल 40 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुखबीर सूचना पर सीबीएन टीम ने कार्रवाई की, मामले में आरोपी से पूछताछ जारी है। टीम ने राजस्थान .... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

धनशोधन मामले के किसी आरोपी को मनमाने तरीके से ईडी को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं

धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को प्राप्त गिरफ्तारी संबंधी अधिकार को एक बार फिर अदालत ने व्याख्यायित किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि ईडी को गिरफ्तारी संबंधी असीमित अधिकार प्राप्त नहीं हैं। धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा उन्नीस के तहत ईडी अपनी मर्जी से किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकता है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि प्रवर्तन निदेशालय अगर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करता है, तो उसे पूरी तरह सुनिश्चित होना चाहिए कि वह व्यक्ति धनशोधन का दोषी है। वह उससे संबंधित तर्क दर्ज करेगा और फिर गिरफ्तार कर सकता है। अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ धन शोधन का आरोप है, तो ईडी उससे पूछताछ कर सकता है, मगर उस व्यक्ति को अग्रिम जमानत पाने का अधिकार है। इस तरह एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज के तरीके को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी यही बात कही थी कि धनशोधन मामले के किसी आरोपी को मनमाने तरीके से गिरफ्तार करने का अधिकार प्रवर्तन निदेशालय को हासिल नहीं है। मगर उसके बाद भी निदेशालय के कामकाज के तरीके में कोई बदलाव नहीं देखा गया। दिल्ली उच्च न्यायालय की ताजा व्याख्या के बाद उसके रुख में कितना बदलाव आएगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज को लेकर काफी समय से आपत्ति दर्ज कराई जा रही है। भ्रष्टाचार निवारण के नाम पर पिछले कुछ सालों में आयकर विभाग, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय के छापों में काफी तेजी आई है। विपक्षी दलों का आरोप रहा है कि ये तीनों एजंसियां सरकार के इशारे पर, बदले की भावना से काम कर रहे हैं। इस मामले को लेकर कुछ विपक्षी दलों ने सर्वोच्च न्यायालय के सामने गुहार भी लगाई थी कि इन एजंसियों की नाहक छापेमारी पर रोक लगाई जाए। मगर अदालत ने कहा था कि धनशोधन का मामला चूंकि गंभीर और संवेदनशील होता है और उसका कोई सिरा आतंकवाद के वित्तपोषण से भी जुड़ा हो सकता है, इसलिए वह ईडी, सीबीआइ और आयकर विभाग की कार्रवाइयों से नहीं रोक सकता। मगर साथ में इन एजंसियों को यह भी निर्देश दिया था कि वे अपने अधिकार के दायरे में रह कर ही काम करें। दरअसल, अनेक मामलों में यह भी देखा गया था कि जो काम सीबीआइ के दायरे में आता है, उसमें भी ईडी सिर्फ शक के आधार पर दखल दे देता है।

कायदे से धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय को किसी भी व्यक्ति के खिलाफ तब तक गिरफ्तारी का कदम नहीं उठाना चाहिए, जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। मगर ऐसे कई उदाहरण हैं, जब उसने लोगों को सलाखों के पीछे भेज दिया। धनशोधन निस्संदेह गंभीर समस्या है और यह छिपी बात नहीं है कि राजनीतिक संरक्षण में भ्रष्टाचार से जमा किया हुआ बहुत सारा पैसा सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जाता है। निश्चित रूप से इस पर अंकुश लगना चाहिए।

समलैंगिकों के प्यार पर छाया अंधेरा

–पी. चिदम्बरम

राज्य या सरकार की अवधारणा अस्तित्व में आने से बहुत पहले समय से पुरुष और महिलाएं एक साथ रहते थे। सहवास उस संबंध में किसी भी कानून से पहले था। कानूनों ने केवल ऐसे सहवास को मान्यता दी और इसे विभिन्न नाम दिए। सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला नाम विवाह है। कानूनों ने विवाहित जोड़ों को कुछ अधिकार और विशेषाधिकार दिए हैं। मानव जीवन और व्यवहार के बारे में हमारे वर्तमान ज्ञान को देखते हुए और अल्फ्रैड किन्से के समय से शुरू हुए सर्वेक्षणों द्वारा लगाए गए अनुमान तार्किक रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पुरुष और पुरुष तथा महिलाएं और महिलाएं भी रिश्तों में पहले रहते थे। 'गे' और 'लेस्बियन' अब अप्राप्य शब्द नहीं रह गए हैं। हम स्वीकार करते हैं कि समलैंगिक, उभयइ्क्षलगी, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसैक्स, अलैंगिक और अन्य (एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए. +) हैं। वे इंसान हैं और अन्य इंसानों की तरह वे प्यार करते हैं और प्यार किए जाते हैं। उनके आपस में यौन संबंध भी होते हैं। जब एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए. + विवाहित जोड़ों के समान अधिकार और विशेषाधिकार मांगते हैं तो सरकार का उत्तर क्या होता है? भारतीय संसद ने ऐसा कोई कानून नहीं बनाया है जो एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ के बीच किसी भी रिश्ते को मान्यता देता हो। इसके विपरीत भारतीय दंड संहिता की धारा 377 अभी भी अस्तित्व में है और प्रकृति के आदेश के विरुद्ध संभोग को दंडित करती है। 2018 में ही नवतेज सिंह बनाम भारत संघ मामले में 5 जजों वाली पीठ ने 2 जजों वाली पीठ (2013) के पहले के फैसले को पलट दिया और सहमति से समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से हटा दिया। कई सवाल और कई जवाब = 5 साल बाद एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ समुदाय ने सुप्रीमकोर्ट के समक्ष बड़े सवाल उठाए। खासकर एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ के नागरिक अधिकारों पर जिसमें उनके बीच विवाह को मान्यता देना भी शामिल था। जवाब 17 अक्तूबर 2023 को आए। पांचों माननीय न्यायाधीश कुछ मुद्दों पर सहमत थे और कुछ पर असहमत। अंततः यह श्री न्यायमूर्ति रविन्द्र भट्ट द्वारा दिया गया निर्णय है, जिसमें न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने सहमति व्यक्त की, यही आज देश का कानून है। राजनीतिक दल फैसले पर कोई रुख अपनाने में स्वाभाविक रूप से झिझक रहे हैं। एक राजनीतिक दल सैकड़ों-हजारों व्यक्तियों से मिलकर बनता है और ऐसे मामले पर जो इतना अंतरंग और निजी है फिर भी दूरगामी परिणाम देता है। एक आम स्थिति बनाना आसान काम नहीं है। यहां तक कि व्यक्ति भी मामले में उठे सवालों पर कड़ा रुख अपनाने से झिझकेंगे। मैं जो आप सबसे अच्छा कर सकता हूं वह है मुद्दों को सामने रखना और ऐसी आशा करता हूं कि एक तर्कसंगत बहस होगी।

कोर्ट- विवाह केवल विषमलैंगिकों को दिया गया एक वैकल्पिक अधिकार है. एक बार जब न्यायालय सर्वसम्मति से इस निष्कर्ष पर पहुंच गया तो अधिकांश अन्य निष्कर्ष सही हो गए। विवाह में दो इ्क्षलग होने चाहिए। इसलिए विषमलैंगिक रिश्तों में ट्रांसजैंडरों को शादी करने का अधिकार है, समलैंगिकों को नहीं। गेंद विधायिका के पाले में फैंक दी गई है। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि संसद इ्क्षलग-अज्ञेयवादी (समान इ्क्षलग) विवाह को मान्यता देने के लिए जल्द ही कोई कानून पारित करेगी। यहां तक कि विशेष विवाह अधिनियम के तहत भी। हालांकि, रिश्ते का अधिकार एक मौलिक अधिकार है = विवाह पर उनके निष्कर्ष से माननीय न्यायाधीश भी परेशान हो गए होंगे। उन्होंने बंधनों को तोड़ दिया और साहसपूर्ण घोषणा की कि किसी भी व्यक्ति को लिंग की परवाह किए बिना साथी चुनने का अधिकार है। उन्होंने अपने निष्कर्ष को स्वतंत्रता, विकल्प, गोपनीयता और गरिमा की दृढ़ता से स्थापित सिद्धांतों पर आधारित किया। न्यायमूर्ति रविन्द्र भट्ट ने संबंध के अधिकार की व्याख्या की- ''यह एक साथी चुनने, सहवास करने और शारीरिक अंतरंगता का आनंद लेने का अधिकार है...वे सभी नागरिकों की तरह स्वतंत्र रूप से जीने और समाज में बिना किसी बाधा के इस विकल्प को व्यक्त करने के हकदार हैं। राज्य सुरक्षा बनाने के लिए बाध्य है।'' लेकिन यह नागरिक संघ का अधिकार नहीं है न्जस्टिस चंद्रचूड़ और कौल समान इ्क्षलग वाले जोड़ों के बीच 'संबंध के अधिकार' को नागरिक संघ का अधिकार कहने के लिए तैयार थे लेकिन जस्टिस भट्ट, कोहली और नरसिम्हा इतनी दूर जाने के लिए तैयार नहीं थे तो फिलहाल समान इ्क्षलग वाले जोड़ों को संबंध बनाने का अधिकार होगा। और नहीं। नैतिक कानूनों को पर्याप्त रूप से लागू करने वाले स्व-धर्मी लोगों वाले देश में यह अनिश्चित है कि वे अप्रभावित रहेंगे या नहीं। कुछ कपड़ों, भोजन, मान्यताओं, धार्मिक प्रतीकों और पूजा के रूपों के प्रति दिखाई गई अत्यधिक असहिष्णुता को देखते हुए यह भी अनिश्चित है कि राज्य उन्हें सुरक्षा देगा या नहीं। विद्वानों का मानना है कि 'संबंध का अधिकार व्यावहारिक रूप से सामग्री रहित है'= 3 माननीय न्यायाधीश इस बात से सहमत नहीं थे।

चीन के अस्पतालों में मरीजों से पशुओं जैसा व्यवहार

चीन में मरीजों को भी चैन नहीं लेने दिया जाता, खासकर मानसिक रोगियों की हालत तो पहले से भी ज्यादा खराब है। चीन के मानसिक रोगियों पर चीन सरकार अपनी प्रताड़ना का कहर बरसाती रहती है। चीन में मानसिक रोगी उस व्यक्ति को कहा जाता है जो किसी लोकतांत्रिक पार्टी की विचारधारा को लेकर बात करता है या फेलुंगगांग के अनुयायियों को भी चीन में मानसिक रोगी साबित किया जाता है जिससे उन्हें पागलखाने ले जाकर उनके ऊपर यातनाओं की बौछार की जा सके।

अभी हाल ही में 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया था जहां पर चीन की कम्युनिस्ट सरकार के खिलाफ कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इनका कहना है कि चीन सरकार हर उस व्यक्ति को मानसिक अस्पताल में भर्ती कर रही है जो उसके खिलाफ कुछ भी बोलता है फिर चाहे वो किसी लोकतांत्रिक विचारधारा वाला व्यक्ति हो, किसी धार्मिक पंथ का व्यक्ति हो या फिर लोगों को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया पर सही जानकारी देता हो। ये सभी लोग चीन सरकार के दुश्मन हैं और इन्हें मानसिक अस्पताल में भर्ती करने के बाद सरकार उन्हें यंत्रणा शिविरों में डाल देती है जो असल में जेल जैसे होते हैं। और फिर यहां पर सरकार इनके ऊपर कई तरह की यंत्रणाएं करती है जिसमें इन्हें शारीरिक कष्ट देना, बिजली के झटके देना, इनके अंगों की तस्करी करने जैसे घिनौने काम शामिल हैं। इस बार यह विरोध-प्रदर्शन चीन में नहीं बल्कि अमरीका में हो रहे थे लेकिन इनका निशाना चीन की कम्युनिस्ट सरकार है, च्या ली चिन जो चीनी लोकतांत्रिक पार्टी की युवा शाखा के निदेशक हैं, उनकी अगुवाई में अमरीका के लॉस एंजल्स में यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में चीन के लोकतांत्रिक मूल्यों के समर्थकों ने प्रदर्शन किया और चीन द्वारा अपने लोगों पर बर्बरता किए जाने का खुलासा दुनिया के सामने किया। इनका कहना है कि चीन में कम्युनिस्ट सरकार लोगों से डरी हुई है इसलिए उन पर जुल्म ढा रही है जिसमें विद्रोह की ये आग लोगों में न फैले और इस समय चीन सरकार वर्ष 1989 में हुए तिनानमिन चौराहे वाली घटना को नहीं दोहराना चाहती है। ये लोग उन चीनी लोगों की तस्वीरें और नाम के पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे थे जिन्हें चीन सरकार ने झूठे आरोप लगाकर मानसिक अस्पतालों में भर्ती कर लिया है और ये लोग सीपीसी को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि चीन सरकार के इस जुल्म को खत्म करने के लिए पहले सी.पी.सी. को खत्म करना होगा। जिन लोगों को मानसिक अस्पताल में भर्ती कराया जाता है उनके ऊपर कई तरह की नई दवाओं के प्रयोग किए जाते हैं जिससे बाद में दवा में और सुधार किया जाता है, कई लोगों को बिजली के झटके दिए जाते हैं। मानसिक अस्पताल से रिहा हुए एक रोगी ने बताया कि उसने अस्पताल में 52 दिन शनछन कोनिंग अस्पताल में बिताए हैं जहां उसे पब्लिक सिक्यूरिटी ब्यूरो ने पकड़कर भेजा था। उसने बताया कि उसे जबरन दिन में 4 बार रहस्यमयी दवाएं खानी पड़ती थीं, मना करने पर उसके हाथ पैर बिस्तर से बांध दिए जाते थे फिर चार लोग उसके पैर-हाथ, कमर और सिर पकड़ कर बैठ जाते इसके बाद उसे वही दवाएं जबरन दी जाती थीं। कई बार उसके साथ बिना किसी कारण हिंसा की जाती थी।

हिमालय से खिलवाड़ भारी पड़ेगा, सिक्किम आपदा से सबक लेना जरूर

2023 हिमालय के लिए काफी दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। इसकी शुरुआत हुई जोशीमठ से, जिसके धंसने की खबर ने पूरे देश को चौंकाया। उसके तुरंत बाद मॉनसून में सैकड़ों लैंडस्लाइड और भारी बारिश के कारण हिमाचल और उत्तराखंड में काफी जान-माल का नुकसान हुआ। हिमाचल में तो नुकसान इतना था कि उसकी भरपाई में बहुत वक्त लगेगा। इधर, सिक्किम में एक ग्लेशियर लेक के फटने से पूरा बांध बह गया है। लोगों की मौत हुई है, ब्रिज टूटे हैं और सिक्किम को देश के साथ जोड़ने वाली सड़क भी खत्म हो गई है। यह क्लाइमेट चेंज का शुरुआती प्रभाव है। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ेगा, एक्सट्रीम वेदर इवेंट की फ्रीक्वेंसी और इंटेंसिटी तेज होगी। हिमालय में बादल फटने की घटनाएं और बढ़ेंगी, अचानक तेज बारिश आएगी और ग्लेशियर भी बहुत तेजी से पिघलेंगे। इन वजहों से लैंडस्लाइड, एवलांच जैसी घटनाएं बढ़ेंगी। साथ ही, हिमालय में ग्लेशियर लेक का आकार और संख्या में भी इजाफा होगा। अगर इन सभी चीजों को हिमालय के भूकंप प्रभावित क्षेत्र होने से जोड़ा जाए, तो इसका अहसास होता है कि वहां किस तरह के खतरे हैं। हिमालय में क्लाइमेट चेंज और भूकंप, दोनों का खतरा है। सिक्किम इसकी हालिया मिसाल है। पहली बात तो यह है कि 3 अक्टूबर को दस बजे से लेकर रात बारह बजे के बीच राज्य में साउथ लोनार्क लेक की दीवार टूटी। इसके कारण लेक के पीछे जो लाखों क्यूबिक मीटर पानी था, एक बाढ़ में बदल गया। ऐसी घटना को जीएलओएफ कहते हैं। यह समझना जरूरी है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण लोनार्क ग्लेशियर पिघला, जिससे यह लेक पिछले तीस साल में तीन गुना तक बढ़ गई थी। दूसरी, 3 अक्टूबर को तीन बजे के लगभग 6.2 तीव्रता का भूकंप पश्चिमी नेपाल में आया, जिसका असर दिल्ली में भी महसूस हुआ। अब साइंटिस्ट पता लगा रहे हैं कि लोनार्क लेक की दीवार भूकंप के चलते तो नहीं कमजोर हो गई या वहां लैंडस्लाइड तो नहीं हुआ था? तीसरी, सिक्किम में 2-5 अक्टूबर तक औसत से ज्यादा बारिश हुई। आईसीआईएमओडी, काठमांडू बेस्ड साउथ एशिया का माउंटेन रिसर्च ऑर्गनाइजेशन है, उसने बताया कि 3 अक्टूबर की रात साउथ लोनार्क लेक के आसपास भारी बारिश हुई। यह भी हो सकता है कि इतनी तेज बारिश से उस लेक की दीवार टूटी हो। चौथी, इस लेक के पचास किलोमीटर के नीचे तीस्ता-3 डैम है। यह सिक्किम का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रॉजेक्ट है- साठ मीटर ऊंचा। तीस्ता-3 के चेयरमैन के मुताबिक, इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस ने रात बारह बजे बताया कि साउथ लोनार्क लेक बर्स्ट हो गई है और पानी बहुत तेजी से आपके डैम की तरफ आ रहा है। चेयरमैन का कहना है कि हमारे पास दस मिनट था, और हमसे डैम के दरवाजे नहीं खुल पाए। दस मिनट के अंदर पानी पूरे डैम को तोड़कर बहा ले गया। इसके बाद भयानक बाढ़ आई। सिक्किम के चार जिले इससे प्रभावित हुए, वहां के शहरों में बाढ़ का पानी पहुंचा। बिजली लाइन बरबाद हो गई। रोड और पुल टूट गए। 50 से अधिक लोगों की जान गई और सैकड़ों लापता हो गए। यह डैम चौदह हजार करोड़ रुपये की लागत से बना था। यानी आर्थिक नुकसान भी काफी हुआ। वैसे, 2011 में जब सिक्किम में भूकंप आया था, तो भी यही डैम तबाह हुआ था। तब यह बन रहा था और तब करीब चालीस मजदूर उस हादसे में मरे थे, तो ऐसा नहीं कि लोगों को मालूम नहीं था कि ये डैम बहुत जोखिम वाला है। इस डैम के जो गेट थे, जिन्हें खोलने से पानी बाहर निकलता है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5035

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5034

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 5035

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत में अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा आरंभ करने वाले इस अंग्रेजी इतिहासकार व राजनीतिज्ञ ने 1800 को जन्म लिया था (5)
5. [illegible] (2)
7. लाड़ या प्यार करके पालन करना (6)
9. आचार, फिल्म शॉट (2)
11. गुलाम, सेवक, खानसामा (2)
12. चांदी के रंग की एक चमकीली धातु (3)
14. दर, निर्ख (2)
15. समूह गान, कई गायक-गायिकाओं का एक साथ गाना (4)
17. कामना, मनोकांक्षा, तमन्ना, आरजू (4)
16. लक्षण का अपभ्रंश (3)
17. जौंक, जोंक (2)
18. मनोयोग से लगा हुआ, तन्मय (2)
20. उत्तरप्रदेश की यह नगरी प्राचीन काल में कालिंदिया नगरी के नाम से विख्यात थी (3)
23. पंकज, नीरज, राजीव (3)
24. सितार की तरह एक वाद्य (4)

ऊपर से नीचे

1. मैदान में दो या चार के बीच खेला जाने वाला एक खेल (5)
2. मलिन, अस्वच्छ, गंदा (2)
3. वह संबंध सत्ता जिससे भूत, भविष्य और वर्तमान की प्रतीति होती है (2)
4. जिसे किसी से कुछ लेना हो, ऋण दाता (4)
5. पुष्प, सुमन, फूल (2)
6. जो मन को भाए, आकाशवाणी इंदौर से प्रसारित कार्यक्रमों में से एक (5)
8. नजदीक, करीब, निकट (2)
10. क से ह तक की वर्णमाला (4)
13. खेती-बाड़ी की भूमि पर लगने वाला कर (3)
14. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश (3)
16. पश्चिमी अफ्रीका का देश जिसकी राजधानी कोनाक्री है (2)
21. कोमल कंठ, सुंदर स्वर (2)
22. बाली की पत्नी का नाम, अंगद इसी का पुत्र था, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5034 का हल

अ	हा	गी	र		औ	च	न
ध		च	ट		रा	न	अ
दे	हा	त		गी	न		र
य	र		का		अ	या	
	जो	न		सा	र	न	
म	नि	हा	र		दि		मि
ह	क		रा	या		म	का
का	म	सि	न		रा	अ	द

जिले के स्वयंसेवकों ने की कदमताल

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। परंपरानुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन विजयादशमी के अवसर पर नगर की 33 बस्तियों में एक साथ निकला। जो की चरैवेति संचलन के स्वरूप में रहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना दिवस के साथ साथ आज ही के दिन प्रभु श्रीराम ने रावण का वध कर अधर्म पर धर्म की विजय प्राप्त की थी एवं महिषासुर का वध मां दुर्गा ने भी इसी दिन ही किया था ऐसे पुण्य दिवस को हम विजयादशमी पर्व के रूप में मनाते है इस अवसर पर जिले के 8 नगर मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, सीतामऊ, दलौदा, नगरी, नाहरगढ़, मंदसौर की 33 बस्तियों में बडे उत्साह के साथ पथ संचलन निकला जिसमे 2463 स्वयंसेवकों पथ संचलन में कदमताल मिलाए 33 बस्तियों के हजारों स्वयंसेवक घोष की धुन पर कदमताल करते हुए निकलें।

सभी संचलन के वक्ताओं ने कहा 'स्व' की संकल्पना को लेकर स्वभाषा, स्वभूषा, स्वदेशी, स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार के लिए समाज को जागृत करने का आह्वान किया। संघ का पथ संचलन समाज में शक्ति और अनुशासन का प्रतीक है। शक्ति के बगैर कोई भी राष्ट्र महान नहीं बन सकता, गत वर्ष भारत में स्वराज का 75 वा अमृत महोत्सव मनाया गया। 2047 में स्वराज के शताब्दी वर्ष में भारत को विश्व गुरु के सिंहासन पर आरूढ करना है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक को देश के हित में एवं राष्ट्र के लिए जीना होगा। आज वैश्विक बाजारवाद एवं सांस्कृतिक मार्क्सवाद ने भारत की मूल संस्कृति व आत्मा को मिटाने का प्रयास किया है। भारत के प्रत्येक नागरिक को जातिगत भेदभाव को भुलाकर सामाजिक समरसता को बढ़ाना होगा, राष्ट्र निर्माण का यह कार्य हमें स्वयं के उदाहरण से ही करना होगा। आज भारत विश्व पटल पर अग्रणी देश है, ये विश्व गुरु होने के ही संकेत है। हम सभी आज के दिन अपने देश की उन्नति के लिए कार्य करने का संकल्प ले देश के प्रत्येक व्यक्ति युवा, वृद्ध, बाल, मातृ शक्ति हम सभी को मिलकर अपनी भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाना है।

कैलाश जिला बदर

नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत आरोपी कैलाश पिता हरलाल खटीक निवासी चिताखेडा थाना जीरन को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। आरोपी जिला बदर अवधि में नीमच जिले की राजस्व सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास एवं आगर-मालवा जिले की राजस्व, सीमा में जिला बदर अवधि में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

आरोपी को थाना हाजरी का आदेश-जिला मजिस्ट्रेट नीमच श्री दिनेश जैन व्दारा राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत अनावेदक कुलतारसिंह पिता अनिल परिहार निवासी रामनगर मनासा थाना मनासा को सदाचार बनाये रखने के लिए 3 माह तक सप्ताह में एक दिन (थाना प्रभारी व्दारा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

विश्व शांति के लिए शांति-करुणा पदयात्रा कल निकलेगी

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 27 अक्टूबर 2023 शुक्रवार प्रातः 9 बजे गांधी चौराहा, मन्दसौर से गैर राजनीतिक विश्व शांति के लिए शांति-करुणा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सभी सेवाभावी संगठन और नागरिक

भारतीय ध्वज तिरंगा के तले अपने संगठन के बैनर और महान विचारकों के शांति, मानवता, भाईचारा, सद्भाव, के सन्देश देने वाले पोस्टर हाथों में लिए मौन पदयात्रा में आचार संहिता का पूर्ण रूप से पालन करते हुए सम्मिलित होंगे।

सामाजिक संगठनों ने बताया कि जंग तो खुद ही एक समस्या है, जंग क्या समस्यायों का हल देगी। इस भाव के साथ नगर के विभिन्न सेवा भावी संगठनों ने मिलकर विश्व शांति के लिए - सर्वधर्म समभाव एवं सद्भाव शांति-करुणा पदयात्रा निकालने का आयोजन किया है। सम्पूर्ण विश्व में पिछले कई वर्षों से कही ना कही लगातार युद्ध हो रहे है जिससे मानवता खत्म और बर्बाद होती जा रही है। महात्मा गांधी के विचार सर्व धर्म समभाव, शांति और अहिंसा को अपना कर सम्पूर्ण विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। बात ये नही है कि कौन हारता कौन जीतता है सबसे जरूरी बात तो ये है कि मानवता और करुणा हार रही है। धर्म इंसानों के लिए है धर्म और राजनीति लिए निर्दोष लोगों की बली ना चढ़े। कोई भी धर्म हिंसा को किसी भी रूप में समर्थन नहीं करता। युद्ध चाहे राजनैतिक हो या धार्मिक हो निर्दोष लोगों की जान बचाने के लिए युद्ध बंद होने चाहिए। यह युद्ध का युग नहीं है। शांतिपूर्ण वार्ता ही एकमात्र रास्ता है हमारा उद्देश्य नफरत और भेदभाव के बिना सीमा मुक्त एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना है, जहां मानवता एक हेकरपनप सके। हम संयुक्त राष्ट्र, भारत सरकार और अन्य अंतरराष्ट्रीय शक्तियों से विश्व में शांति और मानवता बचाने के लिए हर प्रकार के युद्ध और शत्रुता को रोकने की अपील करते हैं यह संदेश दुनिया को देने हेतु दिनांक 27 अक्टूबर 2023 शुक्रवार प्रातः 9 बजे गांधी चौराहा, मन्दसौर से गैर राजनीतिक विश्व शांति के लिए शांति-करुणा पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जो कि गांधी चौराहा से प्रारंभ होकर हास्पिटल रोड, महाराणा प्रताप चौराहा, नयापुरा रोड, शुक्ला चौक, भारत माता चौराहा से होकर गांधी चौराहा पर समाप्त होगी। सामाजिक संस्थाएं वर्क चैरिटेबल ट्रस्ट, शाखा मन्दसौर, गायत्री परिवार, मन्दसौर, दशपुर जागृति मंच मन्दसौर, ब्रम्हाकुमारी आध्यात्मिक संस्थान मन्दसौर, आई आई ई सी वेलफेयर सोसायटी मन्दसौर, निडर युवा सेवा संस्था, मन्दसौर, नन्द संकल्प सेवा समिति, मन्दसौर ने सभी सेवा भावी संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों से इस पदयात्रा में सम्मिलित होने का निवेदन किया है।

सुखदेव धाकड़ ने नाक पर मुक्का मार किया रावण का वध

खजूरीआंजना, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दशहरा पर्व ग्रामवासियों द्वारा धूमधाम से मनाया गया। दूर दूर से गांव की बहन बेटिया इस पर्व को मनाने पहुँचती। दीपावली से ज्यादा गांव के लोग इस पर्व को ज्यादा मान्यता देते है इस दिन हर घर मेहमाननवाजी होती है हर घर मे नमकीन ओर मिठाई बनाई गई। ग्रामवासियो द्वारा हर घर के आगे रंगोलियां बनाई गई। दिन में वाडी उठाई गई जिसमें सभी देवी देवताओं का गांव के प्रमुख मार्गो से चल समारोह निकाला गया। मान्यता है कि इस दिन देवताओ के आशीर्वाद से हर प्रकार की बीमारिया दूर होती है इस दिन कई लोग आशीर्वाद लेने दूर दूर से आते है। गांव के सभी मंदिरो से जवारा विसर्जन किए गए। इसके बाद मंच पर उपस्थित अतिथियो का सत्कार हुआ जिसमें मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भगवताचार्य श्री मनोज जी देव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

तत्पश्चात राम रावण की सेना के बीच मे वाकयुद्ध शुरू हुआ। इस बीच सरपंच रामेश्वर पटेल उपसरपंच लक्ष्मीनारायण मेहता माधवानंद आश्रम के गुरुजी गणेशानंद जी महाराज, बाबुलाल जी अग्निहोत्री सहित हिरालाल धाकड, बंकट धाकड, प्राचार्य राजेश शर्मा, भेरुलाल पटेल सहित अन्य मंचासीन रहे। इसके बाद सीधे राम रावण के युद्ध की तैयारी की गई सभी लोग सीमेंट से बनी रावण की प्रतिमा के पास पहुँचे जहा पर जोरदार आतिशबाजी की गई ओर राम और रावण की सेना के बीच जलते हुए टोबलो से युद्ध की शुरुआत की गई। राम की सेना की ओर से जलते हुए टोबले रावण की सेना के उपर फेके गए। करीब 40-मिनट चले इस युद्ध मे राम सेना की ओर से दशरथ धाकड ने रावण की नाक पर मुक्का मारकर वध किया। जिसके बाद राम की सेना का विजय जुलूस जय सियाराम के नारे लगाते हुए हनुमान मंदिर पहुँचकर गांव के प्रमुख मार्गो में होता हुआ निकला जहा जगह जगह रथ में सवार भगवान श्रीराम के विजय जुलूस की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात श्रीराम मंदिर में महाआरती की गई एवम प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर थाना क्षेत्र की पुलिस विद्युत विभाग एवम पंचायत के कर्मचारी तथा गांव के कोटवार मौजूद थे।

दशहरे पर हुआ मेले का आयोजन

मनासा/उँन्चेड़, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष दशहरे के अगले दिन एकादशी (ग्यारस) पर मनासा तहसील अंतर्गत आने वाले उँन्चेड गांव में भव्यता के साथ दानवों ओर देवताओं के बिच काल्पनिक देवासुर संग्राम का आयोजन होता है। एक दिवसीय मेले के रूप में यह आज आयोजित हुआ आयोजन मेले में हजारों की संख्या में आस पास के गाँवो के लोग पहुँचे। जिसमे मुख्य मंदिर नागेश्वर जी मन्दिर व देवनारायण जी मन्दिर से होते हुए मामा देव जी महाराज, पाबूजी राठौर महाराज गाँव के बाहर सरोवर पर जाकर पाती (ज्वारा) को विसर्जित किया गया। जहां दानवों का पात्र निभाने वाले दो ग्रामीणो का नाम तय हुआ और फिर देवता और दानवों के बीच युद्ध हुआ परंपरा अनुसार युद्ध मे देवताओं की विजय हुई ओर उनके नाम का जयकारा लगाया गया। भोपा जी द्वारा वर्ष 2023-2024 की भविष्यवाणी करी जिसमे बताया गया की इस वर्ष किसानों के लिए वावण लगते आषाढ़ पंचमी से सप्तमी तक उसके बाद देशावार वावण ग्यारस तक होगी। सावन में 20 दिन का खड़ रहेगा, फसलों का भाव इस साल से बड़िया रहेगा, लहसुन के भाव उतरते चढ़ते रहेंगे, मावठा अगहन माह की अमावस्या के पास ठंडी बारिश होगी व दूसरा मावठा उतरता माघ महीने होगा इसी के साथ दाह का प्रकोप रहेगा आने वाला साल सभी के लिए सुखमय रहेगा। बीमारी का प्रकोप रहेगा बीमारी से बचने के लिए धर्मकार्य करते रहे व स्क्रांति पर गोसेवा करे जिससे बीमारी से बचा जा सकेगा।

शस्त्र पुजन के बाद स्वयं सेवकों का निकला पथ संचलन

नगरी, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विजयादशमी उत्सव हमारे लिए शौर्य, बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतिक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का दिवस हैं। संघ ने हमेशा राष्ट्र की समृद्धता एवं वैभवता के लिए कार्य किया हैं सामाजिक समरसता, राष्ट्र के लिए समर्पण एवं पर्यावरण सुरक्षा के साथ ही जैविक खेती को बढावा देने की वर्तमान में आवश्यकता है। उक्त विचार सशिमं परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विजयादशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बौद्धिक सत्र में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए आशुतोष पालीवाल ने व्यक्त किये। शस्त्र पूजन कार्यक्रम के पश्चात् नगर के मुख्य मार्गो से कदम ताल करते हुए स्वयं सेवकों का पथ संचलन निकला। पथ संचलन का नगर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। पथ संचलन में नगर के 155 स्वयं सेवकों ने कदम ताल करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरें। समापन सशिमं परिसर में हुआ।

नगर में निकला पथ संचलन

दलौदा, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर मे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का पथ संचलन निकला पथ संचलन श्री राम जानकी मैदान दलोदा से प्रारम्भ हुआ जो नगर के प्रमुख मार्ग सोनी कालोनी, मंडी चौराहा, चौपाटी, अम्बिका नगर दलोदा मंगरा, प्रगति चौराहा, शिवाजी मगरा, शिक्षक कालोनी, स्टेशन से शांति कालोनी होते हुए रामजानकी मैदान पहुंचा जहा पथ संचलन का समापन् हुआ पथ संचलन का नगर मे सेकड़ो स्थानो पर स्वागत हुआ साथ हि पथ संचलन के पूर्व बौद्धिक जिला कार्यवाह श्री दिलीप चावड़ा ने बौद्धिक दिया मंच पर खंड सह कार्यवाह श्री विशाल ग्वाला थे।

नवरात्रि महोत्सव का हवन के साथ हुआ समापन

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में नवरात्रि पर्व के अवसर पर नव दिवसीय श्री रामचरितमानस सामूहिक नवान्ह पारायण पाठ का हवन के साथ समापन हुआ। प्रारंभ में भगवान राम के चित्र का पूजन अर्चन किया गया। हवन पूजन का कार्य पं. श्री संतोष जोशी द्वारा संपन्न कराया गया। ब्रह्म भोज प्रसादी भंडारा हुआ जिसमें बड़ी संख्या में विप्रजन और अन्य सत्संग प्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया।

उपस्थित रहे – श्री केशव सत्संग भवन ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश गर्ग, राधेश्याम गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनलाल गेहलोद, ट्रस्टी प्रहलाद काबरा, बंसीलाल टॉक, जगदीशप्रकाश गर्ग, सत्यनारायण सोमानी, संतोष जोशी, अजय मित्तल, जगदीश भावसार तथा श्यामसुंदर चौधरी, पुरुषोत्तम गोयल, आरती पांडे, आरती पंवार आदि।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का दीपावली मिलन समारोह 19 को

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज जगदीश मंदिर पंचायत जीवागंज की कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें आगामी 27 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में एक दिन पूर्व जगदीश मंदिर में शरद उत्सव के आयोजन एवं महिलाओं के गरबा महोत्सव की तैयारी पर चर्चा की गई। 28 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन चंद्र ग्रहण होने से यह आयोजन एक दिन पूर्व करने का निर्णय लिया गया। साथ ही दीपावली के पश्चात प्रथम रविवार 19 नवंबर को श्री जगदीश विलास में समाज का परंपरागत दीपावली मिलन समारोह एवं 80 वर्ष से उम्र के समाज के वृद्ध जनों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। देवउठनी एकादशी के दिन देव दिवाली भी मनाई जाएगी।

बैठक में गुर्जर गुरु ब्राह्मण समाज जगदीश मंदिर पंचायत जीवागंज के अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा सचिव सुरेंद्र त्रिवेदी उपाध्यक्ष श्री नंदकिशोर जी शर्मा कोषाध्यक्ष जगदीश शर्मा, तथा वरिष्ठ समाजजन सर्वश्री मोहनलाल जोशी, डॉ.देवेंद्र पुराणिक, अनिल द्विवेदी, कृष्ण चंद्र शर्मा, शिव शंकर शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा गेस वाले, अनिल पुरोहित, सुभाष जोशी, राजेन्द्र शर्मा राजू भाई यातायात, अजय तिवारी, ब्रजेश जोशी, राहुल त्रिपाठी, महेश शर्मा पप्पू, सुनिल पंचारिया, राजेन्द्र प्रसाद व्यास, पं. गोपाल पंचारिया, भेरूलाल शर्मा, विनोद जोशी आदि उपस्थित थे।

रैली सम्पन्न

सुवासरा, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महाराणा प्रताप शासकीय महाविद्यालय सुवासरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वीप गतिविधि के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया! रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर सुवासरा ग्राम पहुंच कर पूरे ग्राम में मतदाता जागरूकता का संदेश देते हुए भ्रमण करते वाटर प्लांट पहुंची जहां पर विद्यार्थियों को वाटर प्लांट का विजीट करवाया गया।

बच्चों ने जलाया रावण का पुतला

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दशहरा पर्व के अवसर पर नयापुरा रोड पर बच्चों द्वारा रावण दहन किया गया। बच्चों की टीम ने अपने हाथों से चार फिट का रावण का पुतला बनाया। रावण दहन से पहले आतिशबाजी की गई। रात 8.30 बजे रावण दहन किया गया। रावण दहन के बाद सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दी।

सेमलिया काजी में हुआ चूल का आयोजन...

धधकते अंगारो पर जयकारे लगाते निकले भक्त

सेमलियाकाजी, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेमलिया काजी में गांव में स्थित मंदिर से ढोल-धमाकों के साथ भक्त माता के जयकारे लगाते हुए मंदिर परिसर से बस स्टैंड चूल स्थल पर रात करीब साढ़े आठ बजे पहुंचे। करीब 12 फीट लंबी चूल जलाई गई। यहां पर एक-एक कर भक्तों ने दहकते अंगारों पर से निकलना शुरू किया। भक्तों की आस्था के आगे धधकते अंगारे भी मानो नतमस्तक हो रहे थे। चलती चूल पर घी डालकर बार-बार प्रज्वलित किया जा रहा था। उपस्थित भक्तों ने माता के जयकारे लगाकर वातावरण को धर्ममय कर दिया। आयोजन के दौरान कई ग्रामीण एवम भक्तजन उपस्थित रहे।

एनफोर्समेंट एजेंसियों ने की 133 करोड़ 88 लाख रुपये से अधिक की कार्रवाई

नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर प्रदेश में 9 अक्टूबर से आचार संहिता प्रभावशील है। इस बीच प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाईयां की जा रही है।

9 से 24 अक्टूबर तक एनफोर्समेंट एजेंसियों (एफएसटी, एसएसटी और पुलिस) द्वारा प्रदेश में 133 करोड़ 88 लाख 77 हजार 215 रुपये की कार्रवाई की गई है। संयुक्त टीम द्वारा 14 करोड़ 77 लाख 26 हजार 30 रुपये नगद, 23 करोड़ 93 लाख 68 हजार 115 रुपये की अवैध शराब, 9 करोड़ 30 लाख 1 हजार 400 रुपये के मादक पदार्थ, 51 करोड़ 77 लाख 97 हजार 936 रुपये की अमूल्य धातु, सोना-चांदी/ ज्वेलरी तथा 34 करोड़ 36 लाख 83 हजार 734 रुपये की अन्य सामग्रियां जब्त की गई है।

पुलिस और समाज में हो सार्थक संवाद...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। किसी भी देश एवम कानून व्यवस्था की नीव वहा के देश की पुलिस होती हे। हमारे देश में जैसे हमारी सुरक्षा के लिए देश की सीमाओ पर सेना तैनात रहती और हमे बाहरी आक्रमण से बचाती उसी प्रकार पुलिस हमारे समाज में अपनी अहम भूमिका निभाती हे। देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था की देखरेख पुलिस करती हे। समाज में किसी भी प्रकार के अपराध को रोकना पुलिस का कर्तव्य हे। देश व समाज में लोग कानून का गंभीरता से पालन करते हे इसका श्रेय पुलिस को जाता हे। पुलिस और समाज एक दूसरे के पूरक हे। पुलिस समाज पर निर्भर हे तथा समाज को अपनी सुरक्षा और नियमो को लागू करने के लिए पुलिस की आवश्यकता हे। एक प्रजातांत्रिक समाज में पुलिस की भूमिका एक सामाजिक सेवा संस्था व प्रजातंत्र के संरक्षक की हे। भारतीय पुलिस तमाम विषम परिस्थितियों में कार्य करने के लिए विवश हे। अपने कर्तव्य का पालन करते हुवे देश की आंतरिक सुरक्षा में प्रतिवर्ष देशभर में लगभग एक हजार पुलिसकर्मी शहीद होते हे। सभ्य समाज का रक्षा कवच पुलिस ही होती हे। चूंकि वह कम वेतन, काम का बोझ, परिवार से दूरी एवम आधुनिक हथियारो की कमी से दो चार हे इसलिए उनकी भी अपनी समस्याएं हे। रोजमर्रा के जीवन में आम आदमी का वास्ता जिस पुलिस से पड़ता हे उसका नियंत्रण राज्य सरकार के हाथो में हे। आमतौर पर देखने में आता हे की पुलिस राज्य सरकार की कठपुतली की तरह काम करती हे। वह कई बार उन गतिविधियों में आंखे मूंद लेती हे जिन्हे सत्ताधारी दल गंभीर नही मानते या फिर जिन पर लगाम लगने से उन्हे अपना वोटबैंक खोने का डर सताता हे। पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक हे की वह राजनीतिक नियंत्रण से मुक्त हो जिससे आमजन का विश्वास भी पुलिस के प्रति बड़े। भारतीय पुलिस स्वयं को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप नही ढाल सकी हे इसलिए वह जनता का विश्वास नही जीत पाई हे। कितनी भी विषम परिस्थितियां हो पुलिस को आम जनता से अपनी वर्दी का रोब दिखाने से बचना चाहिए क्योंकि आज भी अधिकांश लोग पुलिस के पास जाने में उन्हे भय व संकोच होता हे। पुलिस को इस स्थिति को बदलना होगा। जनता को भी यह समझना होगा कि पुलिस को सहयोग देना और उसका सम्मान करना उसका दायित्व हे। जहा जनता को अपने इस दायित्व का निर्वहन करना चाहिए वही पुलिस को भी चाहिए की वह अपनी भय वाली छवि बदलने के लिए सक्रिय हो। निसंदेह छवि आचरण में सुधार से ही बदलेगी। लोकतंत्रीय समाज में पुलिस का अपने सभी कार्यों का उत्तर दायित्व जनता के प्रति होता हे। पुलिसजन को इस प्रकार का आचरण करना चाहिए जिससे जनता पुलिसजन को सेवक तथा मित्र मानने को प्रेरित हो। पुलिस और समाज में सकारात्मक और सार्थक संवाद की महती आवश्यकता हे। इस अभाव को दूर कर पाने में यदि हम सफल रहेंगे तभी हमारा पुलिस स्मृति दिवस मनाना सार्थक होगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	463	1601	2200
उडद	70	5201	9961
सोयाबीन	5000	4001	4970
गैहु	2896	2300	3200
चना	151	4410	5918
मसुर	75	5000	6061
धनिया	248	5500	6500
लहसुन	10000	4000	15000
मैथी	331	5800	7400
अलसी	1032	4501	5130
सरसो	142	4800	5309
तारामीरा	2	4600	4851
इसबगोल	25	7600	21391
प्याज	904	751	4251
कलोंजी	32	9051	16961
डॉलर	1	12302	12302
तिल्ली	21	14541	16061
मटरसुखी	8	2150	3500
असालीया	43	8700	10800

एनसीईआरटी की किताबों में अब इंडिया नहीं, भारत होगा

पैनल ने स्वीकार किया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की ओर से किताबों के अगले सेट को इंडिया के बजाय भारत लिखने के प्रस्ताव को सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। पैनल के सदस्यों में से एक सीआई इस्साक के मुताबिक, नई एनसीईआरटी किताबों के नाम में बदलाव होगा। इस्साक ने कहा कि यह प्रस्ताव कुछ महीने पहले रखा गया था और अब इसे स्वीकार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, एनसीईआरटी पैनल की सिफारिश इस आधार पर आगे बढ़ी है कि क्या देश का नाम बदलकर भारत रखा जाएगा। बताया गया है कि इस साल की शुरुआत में केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से आयोजित जी20 डिनर के निमंत्रण को प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के बजाए भारत के राष्ट्रपति रखा गया था। हालांकि इसके बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हुआ था।

जी20 के बाद चर्चा में आया भारत...

परिभाषित किया जाता है कि संविधान के अनुच्छेद 1(1) में हमारे देश का नाम इंडिया, अर्थात भारत राज्यों का एक संघ है। सितंबर में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम् में जी20 की बैठक के दौरान भी नेमप्लेट पर भारत लिखी मेज से अपना संबोधन किया था। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में पीएम मोदी की ओर से शिखर सम्मेलन में अपना उद्घाटन भाषण देते समय भारत प्रदर्शित करने वाला एक प्लेकार्ड दिखाया गया था।

पहले भी हुए थे एनसीईआरटी की किताबों में बदलाव...

इस बीच एनसीईआरटी समिति ने भी पाठ्यपुस्तकों में हिंदू जीत को उजागर करने की सिफारिश की है। इसने पाठ्यपुस्तकों में प्राचीन इतिहास के स्थान पर शास्त्रीय इतिहास को शामिल करने की भी सिफारिश की है। इस्साक ने कहा कि इतिहास को अब प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक में विभाजित नहीं किया जाएगा, जैसा कि अंग्रेजों ने किया था। बताया गया है कि अंग्रेजों ने भारत को वैज्ञानिक प्रगति और ज्ञान से अनभिज्ञ अंधकार में दिखाया था। समिति ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने की भी सिफारिश की है।

सभी कर्मचारी टीम भावनाओं के साथ काम करें-कलेक्टर

मतदान दलों के अधिकारी एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिपेक्ष्य में मतदान अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण शासकीय महाविद्यालय के कुशाभाउ ठाकरे आटिडोरियम में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने कहा की सभी कर्मचारी टीम भावनाओं के साथ काम करें एवं एक दूसरे से सतत संपर्क में रहे। प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में आए सभी कर्मचारी डाक मतपत्र एवं फार्म 12 (क) अनिवार्य से भरें। प्रशिक्षण में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान मतदान दलो के लिए नवीन अनुदेश बताये गये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, मंदसौर जिले के गरोठ, मल्हारगढ़, सीतामउ के अधिकारियों एवं कर्मचारीयों उपस्थित थे। प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर्स डॉ. जे.के. जैन एवं सहायक अन्य मास्टर ट्रेनर्स ने दिया।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षणार्थियों प्रथम सत्र संपूर्ण मतदान प्रक्रिया, पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों के दायित्व सामग्री, विभिन्न प्रपत्र तैयार करना, Mack Poll एवं डाक मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया व अनुपस्थित मतदाता (AVSC, AVPD, AVES) के मतदान की प्रक्रिया का गहन प्रशिक्षण दिया गया। मतदान अधिकारीगण आयोग द्वारा निर्धारित प्रपत्र में व्यवस्थित रूप से जानकारी भरते समय सावधानियों का विशेष ध्यान रखें। निर्वाचन के दौरान किये जाने वाले कार्यो के संबंध में दिशा-निर्देशों का पालन करें। प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा EVM एवं VVPAT पर विस्तृत प्रशिक्षण जानकारी एवं, मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल के अधिकारियों को ईवीएम मशीन की प्रक्रिया एवं संचालन के संबंध में बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है प्रशिक्षणार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी एवं अन्य मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण देते हुए सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया व ईवीएम, वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से एतच का प्रशिक्षण देकर परीक्षा भी ली एवं जिज्ञासाओं का किया समाधान भी किया। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी एवं अन्य मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण देते हुए सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया व ईवीएम, वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाई। जिसमें मतदान के लिए वैकल्पिक दस्तावेज, मतदाताओं के लिये मतदाता सूचना पर्ची, मतदान दलो के लिए ग्रीन पेपर सील, प्रशिक्षण में बताए बिंदु प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को दी जाने वाली सामग्री जैसे इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, वीवीपैट मशीन के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान डाक मतपत्र तथा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट की उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण 28 अक्टूबर तक ऑडिटोरियम, उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में आयोजित किया जाएगा।

66वीं राष्ट्रीय शॉटगन शूटिंग चैंपियशीप में...

स्टेनली ग्रांडी ने फहराया परचम

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के एकलौते राष्ट्रीय स्तर के राइफल और शॉटगन शूटर स्टेनली ग्रांडी ने एक बार फिर मंदसौर (एमपी) का परचम दिल्ली में लहराया।

दिल्ली में चल रहे 66वीं राष्ट्रीय शॉटगन शूटिंग चौंपियनशिप (21 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2023) के ट्रैप शूटिंग इवेंट में श्री ग्रांडी ने सुंदर प्रदर्शन किया और हर वर्ष के तरह इस वर्ष भी नेशनल शूटिंग चौंपियनशिप में जीत हासिल कर हिंदुस्तान के विख्यात खिलाडियों में अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रांडी अब तक 10 बार राष्ट्रीय शॉटगन शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लेकर मंदसौर का झंडा फहरा चुके है। स्टेनली ग्रांडी ने बताया कि शूटिंग का शौक उन्हें बचपन से रहा है फिर यह शौक जुनून बन गया और अपना शहर मंदसौर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करना चाहता है लगातार अभ्यास से मुझे यह सफलता मिली है। स्टेनली ग्रांडी की सफलता पर उन्हें परिवारजनों, इष्टमित्रों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

क्रिकेट का सट्टा पकड़ा, 21 लाख से ज्यादा का हिसाब-किताब बरामद

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वर्ल्ड कप क्रिकेट का सट्टा करते हुए पुलिस ने सटोरियों को हिरासत में लेते हुए 21 लाख से ज्यादा का हिसाब- किताब बरामद किया है।

बुधवार ऑस्ट्रेलिया नीदरलैंड वन डे वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान पुलिस ने यह कार्यवाही की। शहर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश मोदी ने बताया कि मुखबीर द्वारा बताये गये स्थान मंडी गेट के पास खुला स्थान पर एक व्यक्ति द्वारा मोबाईल पर बात करते हुए कुछ लिख रहा था। पुलिस फोर्स की मदद से घेराबंदी कर आरोपी वसीम उर्फ वसीम अकरम को पकड कर उसके कब्जे से एक स्क्रीन टच मोबाईल बरामद किया। जिसमे आरोपी द्वारा ऑस्ट्रेलिया नीदरलैंड वन डे वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच पर आनलाईन सट्टा लगाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नगदी 2200 रु एक स्क्रीन टच मोबाईल तथा सट्टा लिखी डायरी जिसमे 21 लाख 45 हजार 790 रु का हिसाब था, बरामद किया। आरोपी के विरुद्ध थाना शहर कोतवाली पर अपराध धारा 4 (क) ध्यूत विधान व 109 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। पुलिस ने इस मामले में वसीम उर्फ वसीम अकरम पिता मोहम्मद अली उम्र 27 वर्ष निवासी मर्दादीन मोहल्ला शहर किला मंदसौर को गिरफ्तार किया तथा असलम पिता सैफुद्दीन नीलगर निवासी खानपुरा मंदसौर, विकास जैन निवासी खानपुरा हाल मुकाम गीता भवन रोड मंदसौर की तलाश है।

सुवासरा विधानसभा मण्डल संयोजक बंलवतसिंह पंवार को बनाया

शामगढ़, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव बिगुल बज चुका है, दोनों ही पार्टियों जोरों शोरों से प्रचार हेतु घर का दस्तक दे रही है, सुवासरा विधानसभा हाल ही हुवे उपचुनाव में पूर्व मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह ने भाजपा बहुमत से विजय बनाया था, शामगढ नगर परिषद में भी बहुमत ना होते हुए भी बलवंत सिंह पवार द्वारा जोर आजमाइश कर नगर परिषद और भाजपा का कब्जा बनाने में सफल रहे, ऐसे में विधानसभा चुनाव को देखते हुए सुवासरा में भाजपा को बलवंत सिंह की कमि महसूस हो रही थी, चुनाव आता देख भाजपा ने शामगढ मंडल के चाणक्य कहे जाने वाले बलवंत सिंह पवार को पुन: पावर देते हुए मंडल संयोजक बनाया है।

पूरे मंडल क्षेत्र के 66 बूथों पर बलवंत सिंह पंवार के समर्थको की बडी फौज है जो चुनाव को निर्याणक स्थिति मैं पहुंचने की क्षमता रखते है।पंवार ने अपने कार्यकाल मैं जिस दमदारी से प्रशासनिक अधिकारियों से कार्यकर्ताओं के कार्य कराए जिससे आज भी कार्यकर्ताओं मैं बन्ना के प्रति समर्पण है अपने कार्यकाल को मंडल को पूरे प्रदेश मैं पहचान दिलाई।पूरे मंडल मैं जिस सरचना से बलवंत सिंह ने कार्य किया और उपचुनाव मैं शामगढ मण्डल से दस हजार वोट से शामगढ मंडल जिताया था। उसमे 65 मैं से 59 बूथों पर विजय श्री दिलाई थी।

बदमाश नितेश बाछड़ा जिलाबदर

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा म.प्र.राज्य लोक शांति एवं सुरक्षा की दृष्टिसे सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत एक आदतन बदमाश नितेश पिता जगदीश बांछड़ा निवासी निरधारी थाना नाहरगढ़ जिला मंदसौर को जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेशित किया है, कि ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगा।

बता दें कि नितेश बांछड़ा भाजपा की राजनीति के नाम पर नाहरगढ़ क्षेत्र में दादागिरी करता रहा है। वह दूसरो के नाम से शराब ठेके लेकर क्षेत्र में आतंक फै लाता रहा है। आचार संहिता में प्रशासन ने उस पर सख्ती की है।

वेन व बाइक पर अवैध शराब की तस्करी सहित अन्य मामलों में 9 धराएं

पिपलियामंडी, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने अवैध शराब सहित 9 आरोपियों को पकड़ा। पिपलियामंडी पुलिस ने बाइक (एमपी 14 एमवाय 9196) पर दो प्लास्टिक केनों में 60 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब ले जाते नौगावा (वायडीनगर मंदसौर) निवासी विष्णु पिता तुलसीराम बागरी को, 15 लीटर शराब के साथ वरदल निवासी किशोर पिता कंवरलाल भील को व 30 क्वार्टर के साथ खोखरा निवासी मांगीलाल पिता भूरालाल बावरी को, मल्हारगढ पुलिस ने वेन (आरजे 09 यूए 1590) में 9 पेटी बीयर, 14 पेटी प्लेन क्वार्टर शराब, 2 पेटी अंग्रेजी शराब क्वार्टर की बरामद की। इस मामले में पुलिस ने बर्डिया नाल प्रतापगढ निवासी दरबारसिंह पिता दशरथसिंह राजपूत, जुझारसिंह पिता गोपालसिंह राजपूत व राजपालसिंह पिता बनेसिंह राजपूत को पकड़ा। इसी तरह नारायणगढ पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब के साथ गर्रावद निवासी अर्जुन पिता बाबूलाल कलाल को, नाहरगढ पुलिस ने 20 लीटर कच्ची शराब के साथ पाल्यामारु निवासी अजय पिता उत्तम बाछडा को व 25 क्वार्टर के साथ पिपलखूटा निवासी गणपतसिंह पिता कालूसिंह राजपूत को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति की बैठक 30 को

नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जल उपयोगिता समिति जिला नीमच की बैठक कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में 30 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12 बजे आयोजित की गई है। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन श्री विमल श्रीवास्तव ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया है।

तड़ीपार बदमाश मुंशी घोचा शहर में घूमता मिला, गिरफ्तार

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आदतन बदमाश मुंशी घोंचा को जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

यशोधर्मन नगर पुलिस ने बताया कि आदतन बदमाश मुंशी उर्फ शाकिर घोंचा पिता इब्राहिम घोंचा उम्र 57 साल निवासी मुल्तानपुरा हा.मु.किटियानी मन्दसौर के विरुद्ध राज्य सुरक्षा कानुन अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के अधीन 3 माह के लिये जिला बदर आदेश जारी किया गया था। जिसके तहत जिला मन्दसौर, रतलाम, नीमच, शाजापुर, आगर मालवा, उज्जैन जिले की राजस्व सीमा से बाहर रहना था। लेकिन, आदेश का उलंघन करने की सूचना मुखबीर से पुलिस को मिली। जिस पर कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी मुल्तानपुरा उनि विनय बुंदेला एवं टीम के द्वारा जिला बदर के आरोपी शाकिर उर्फ मुंशी घोंचा पिता इब्राहिम घोंचा उम्र 57 साल निवासी मुलतानपुरा हा.मु. किटयानी बताया मन्दसौर को उसके किटयानी स्थित घर से गिरफ्तार कर धारा 14 एवम 15 राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। आरोपी के विरुद्ध एक दर्जन से ज्यादा अपराध दर्ज है।

चुनाव का बहिष्कार करने संबंधी प्रेस विज्ञप्ति जारी करने पर...

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत नोटिस जारी

नीमच, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 122(1)(अ)(ख) के तहत दिव्याग ज्योति सेवा संस्थान नीमच के अध्यक्ष श्री रामप्रकाश बलदवा को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है। श्री बलदवा को जारी नोटिस में कहा गया है, कि उनके विरूद्ध क्यों ना भारतीय दण्ड्संहिता 1860 की धारा 171 सी के अधीन योग्य वैधानिक कार्यवाही की जाये? इस संबंध में कलेक्टर ने श्री बलदवा का कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टी करण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 25 अक्टूबर के नीमच से प्रकाशित एक समाचार पत्र में शीर्षक जिले की आठ हजार दिव्यांग मतदाता करेंगे चुनाव का बहिष्कार से समाचार प्रकाशित हुआ है। समाचार के अवलोकन से ज्ञात हुआ है, कि दिव्यांगजनों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण एवं उन्हें सरकार की समुचित योजना का लाभ दिलाने के संबंध में श्रीरामप्रकाश बलदवा व्दारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर, दिव्यांग एवं उनके परिजनों के व्दारा आगामी चुनाव का बहिष्कार किये जाने का उल्लेख प्रेस विज्ञप्ति में किया गया है। श्री रामप्रकाश बलदवा का उक्त कृत्य दिव्यांग मतदाओं को भ्रमित कर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन होकर लोक प्रतिनिधित्वं अधिनियम के तहत दण्डनीय है। अत: कलेक्टर श्री जैन व्दारा श्री रामप्रकाश बलदवा को उक्त कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी सिसोदिया आज वाहन रैली के साथ नामांकन प्रस्तुत करेंगे

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार यशपालसिंह सिसोदिया 26 अक्टूबर को प्रात: 10:30 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान से पार्टी के वरिष्ठपदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में वाहन रैली के साथ नामांकन प्रस्तुत करेंगे। मंदसौर विधानसभा के समस्त पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ताओं से आग्रह है की दिनांक 26 अक्टूबर को प्रात: 10:30 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान मंदसौर पर वाहनों के साथ पहुंच कर भव्य नामांकन रैली को सफल बनायें।उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

मंदसौर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी जैन आज अपना नामांकन दाखिल करेंगे

मंदसौर - पूरे मध्यप्रदेश में अपनी एक अलग ही पहचान बनाने वाले कांग्रेस प्रत्याशी श्री विपिन जैन मंदसौर विधानसभा से आज 26 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। श्री जैन सुबह 10 बजे भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर शिवना नदी के तट पर शिवना शुद्धिकरण का संकल्प लेकर जनकूपूरा स्थित चिंताहरण द्विमुखी गणेश मंदिर एवं तलाई वाले बालाजी मंदिर दर्शन करने के पश्चात जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंच कर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वाहनों द्वारा प्रात: 11 बजे नए कलेक्टर भवन पहुंच कर अपना नामांकन दाखिल करेंगे। श्री जैन के साथ जिला कांग्रेस प्रभारी श्रीमती अर्चना जायसवाल व कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठजन साथ रहेंगे। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी।

जमीन विवाद में भाई ने भाई को पीटा

पिपलियामंडी, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में भाई ने भाई को पीटा। अनुपपुरा निवासी करण पिता चतरालाल बंजारा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बडा भाई अर्जुन पिता चतरा बंजारा घर पर आया और बोला कि मुझे जमीन का कम हिस्सा दिया है, इस बात पर गाली-गलौज कर मारपीट की व ईट से सिर पर मारी, जिससे मेरे पिता चतरालाल व मुझे चोंट आई। पुलिस ने आरोपी अर्जुन के खिलाफ केस दर्ज किया।

हरिद्वार से अखण्ड हरिनाम संकीर्तन पदयात्रा का शुभारंभ

दो युवा संत देश में राष्ट्रीयता और समरस भाव के साथ सामाजिक बुराई दूर करने के उद्देश्य से पांच वर्ष तक 21 हजार किलोमीटर पदयात्रा करेंगे

हरिद्वार, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। देश में राष्ट्रीयता और सामाजिक समरसता भाव जागरण उद्देश्य से पंच वर्षीय हरिनाम संकीर्तन पदयात्रा देश के वरिष्ठसन्तमण्डल के सानिध्य में समारोह पूर्वक आरम्भ हुई दक्ष मन्दिर कनखल हरिद्वार से अखण्ड हरिनाम संकीर्तन करते हुए सम्पूर्ण भारत की 21000 किमी की पदयात्रा होगी। बुधवार को श्रीयंत्र मन्दिर कनखल में निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानन्द भारती महाराज की अध्यक्षता एवं महामंडलेश्वर व संतों महात्माओं के सानिध्य में श्रीयंत्र मन्दिर में शुभारंभ कार्यक्रम समारोहपूर्वक हुआ। पदयात्रा शुभारम्भ के अवसर पर पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानन्द भारती, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द महाराज व स्वामी ध्रुव चैतन्य सरस्वती महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर पदयात्रा सत्संकल्पकर्ता वीतराग शिरोमणि स्वामी निर्मल चैतन्यपुरी जी महाराज व परिव्राजक स्वामी राजेन्द्रपुरी महाराज ने अखण्ड हरिनाम संकीर्तन सहित सम्पूर्ण भारत की 21000 किमी. की पदयात्रा को लेकर सभी संतो का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी आनंद चैतन्य महाराज, महा मंडलेश्वर स्वामी विशेश्वरानंद महाराज, महंत स्वामी रवींद्र पुरी जी महाराज (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखाड़ा परिषद), स्वामी देवमूर्त्यानन्द महाराज, स्वामी विज्ञानानंद महाराज, शास्त्रोपासक डॉ. चन्द्र भूषण मिश्र, स्वामी ज्ञानानंद महाराज डॉ केशवानंद महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। सन्तों ने संबोधित करते हुए पवित्र उद्देश्य से आरंभ यात्रा के प्रति शुभआशीष प्रदान किये।

पदयात्रा का शुभारम्भ दक्ष मन्दिर से हुई इस अवसर पर पदयात्रा सत्संकल्पकर्ता स्वामी निर्मल चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि अखण्ड हरिनाम संकीर्तन सहित सम्पूर्ण भारत की पदयात्रा हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे। हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे के साथ सम्पूर्ण भारतवासियों के अन्तर्हृदय में राष्ट्र प्रेम के साथ आपसी सद्भाव वृद्धि के साथ ही समृद्ध भारत सुखी भारत, संस्कृति से सुसम्पन्न भारत। तन मन से पवित्र भारत, भक्ति रस से सराबोर भारत।। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, नशामुक्ति को लेकर पंचवर्षीय अखण्ड हरिनाम संकीर्तन सहित सम्पूर्ण भारत की 21000 किमी. की पदयात्रा की जा रही है। उन्होंने बताया पदयात्रा के दौरान प्रत्येक दिन विश्राम स्थल पर नित्य पूजन, सत्संग, प्रवचन आदि होंगे। सहयात्री स्वामी श्री राजेंद्र पुरी जी महाराज ने यात्रा कार्यक्रम जानकारी दी। इस मौके पर स्वामी अवतार पुरी जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड क्षेत्रिय प्रचार प्रमुख पदम जी, आबकारी आयुक्त मध्य प्रदेश ओमप्रकाश श्रीवास्तव, अपर आबकारी आयुक्त इंदौर मुकेश नेमा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने संबोधित किया। मंदसौर, रतलाम बडवन रणायरा कुलथाना ग्वालियर दिल्ली उज्जैन गुजरात सहित अन्य स्थानों के श्रद्धालु उपस्थित रहे। विष्णु तिवारी ,पंडित सुनील पुरोहित, पंडित शिवनारायण शर्मा दयाराम जोशी ईश्वर लाल कुमावत उदयलाल धाकड सुरेश चौहान लक्ष्मण गिरी गोस्वामी श्रीमती भारती श्रीवास्तव श्रीमती पुष्पा पुरोहित , श्रीमती सीमा चौहान आचार्या मीनाक्षी कोठारी गौतमलाल कुमावत , सुभाष चन्द्र सकलानी, संजय मिश्रा, मांगी लाल त्रिवेदी, केशर सिंह सिसोदिया, हरिराम पाटीदार राघवेंद्र गौड अर्पित शर्मा आदि बडी संख्या में भक्त मण्डल मौजूद रहे। श्रीयंत्र मंदिर से ढोल धमाके और शंख ध्वनि झांझ मंजीरे साथ आरम्भ पदयात्रा दक्षमंदिर पहुंची। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में गंगा पूजन , दक्ष मंदिर महादेव पूजन हनुमान मंदिर पूजन बाद भगवा ध्वज दिखा कर नाम संकीर्तन के साथ हरिद्वार से रवाना की गई कई भक्तों ने पैदल चलते हुए नाम संकीर्तन करते हुए पदयात्रा में सहभागिता की।

शर्मा को दी श्रद्धांजलि

पिपलियामंडी, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज के मंदसौर के पूर्व प्रधान गंगाधर शर्मा के निधन पर आर्य समाज पिपलियामंडी ने दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सैनिक स्कूल में चंद्रयान 3 की सफलता पर स्पेस लेक्चर का आयोजन

मंदसौर, 25 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सैनिक स्कूल मंदसौर में सैनिक स्कूल सोसाइटी की गाइडलाइन के आधार पर चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाने हेतु चंद्रयान-3 पर विद्यालय की सामाजिक विज्ञान की अध्यापिका श्रीमती प्रियंका सिसोदिया द्वारा स्पेस पर अनेक तथ्यों से परिपूर्ण व जानकारी से भरपूर लेक्चर के माध्यम से कैडेट्स को जानकारी प्रदान की गई। इस लेक्चर के माध्यम से बताया गया कि चंद्रयान-3 की सफलता के पीछे किस प्रकार से वैज्ञानिकों का अथक प्रयास रहा हैं। स्पेस पर किस प्रकार से वैज्ञानिकों द्वारा काम किया गया व किस प्रकार एकता व संपूर्ण विश्वास के साथ हर एक चुनौती को हासिल कर मुकाम पर पहुंचा जा सकता है। इस अवसर पर सैनिक स्कूल मंदसौर की प्राचार्य डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, उपप्राचार्या सुश्री लक्ष्मी राठौड, सैनिक स्कूल मंदसौर टीम व कैडेट्स उपस्थित रहें।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक क्यू — मंदसौर, दिनांक 25-10-2023

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एमजेड 2862 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में जगदीश चौहान पिता उमरावसिंह चौहान निवासी अभिनंदन-2, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 11.11.2022 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती किरण चौहान पति जगदीश चौहान निवासी अभिनंदन-2, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

सीबीएन ने ट्रक से... पेज 1 से जारी

पासिंग ट्रक की जांच की तो उसमें कवर कार्गो के तौर पर मक्के की बोरियां लदी थीं। इसके बाद ट्रक चालक ने अवैध डोडाचूरा की जानकारी दी। सीबीएन कार्यालय लाकर केस दर्ज किया। मामले में गिरफ्तार ड्राइवर पर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। प्लास्टिक के कट्टों में से डोडाचूरा जब्त हुआ है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in